Total Pages-02 RNLKWC/M.A./CBCS/IIS/205/24

**SANSKRIT (PG)**

**(CBCS)**

**M.A. 2nd Semester End Examination, 2024**

**(Regular and Supplementary paper)**

PAPER – SAN-205

Full Marks : 40 Time : 2 hours

*The figures in the right-hand margin indicate marks.*
*Canditates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*
*Illustrate the answers wherever necessary.*

[सर्वे प्रश्ना: संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च समाधेया: ।]

**A.** यथाकामं प्रश्नचतुष्टयं समाधेयम्। 2x4=8

1. वेदान्ते अधिकारिण: लक्षणं किम्?
2. क: विवर्त:? कश्च परिणाम:?
3. को नाम अध्यारोप:?
4. सांख्यकारिकायाम् उक्तं दु:खत्रयं किम्? प्रत्येकम् उदाहर्तव्यम्।
5. पञ्चविंशतितत्त्वेषु सत्वांशप्रधानानि तत्त्वानि कानि?
6. सांख्यमते पुरुषबहुत्वसाधिका कारिका का?

**2.** यथानिर्देशं समाधत्त। 4x2=8

क) यथेच्छं द्वौ उत्तरत।

1. वेदान्तसारस्य मङ्गलश्लोकं व्याख्यात।
2. वेदान्तसारदिशा पञ्चीकरणप्रक्रिया प्रदर्श्यताम्।
3. टीकां लिखत- जीवन्मुक्ति:।

ख) यथेच्छं कारिकांशद्वयं व्याख्यात। 4x2=8

1. षोडशकस्तु विकारो न प्रकृतिर्न विकृतिः पुरुषः।

2. सत्त्वं लघु प्रकाशकमिष्टमुपष्टम्भकं चलं च रजः।

3. प्रकृतेर्महांस्ततोऽहङ्कारस्तस्माद्गणश्च षोडशकः।

C. यथानिर्देशम् उत्तरत। 8x2=16

क) वेदान्तसारानुसारेण अज्ञानस्य लक्षणं सविस्तरं विमृशत।

अथवा

तत्त्वमसीति महावाक्यस्य अर्थं विचारयत।

ख) सांख्यसम्मतं सत्कार्यवादम् अवलम्ब्य कार्यकारणयोः वैशिष्ट्यं प्रतिपाद्यताम्।

अथवा,

सांख्यतत्त्वानि उल्लिख्य व्यक्ताव्यक्तयोः साधर्म्यं वैधर्म्यं च यथाग्रन्थम् आलोचयत।